an>

Title: Regarding power crisis in Western Uttar Pradesh.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): अध्यक्ष महोदया, संपूर्ण उत्तर प्रदेश में तथा विशेष कर पश्चिम उत्तर प्रदेश में विद्युत आपूर्ति की स्थिति अत्यंत खराब है। घोषित रूप से नगरीय क्षेत्रों में 15 घंटे से 20 घंटे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 8 घंटे से 10 घंटे तक बिजली की आपूर्ति विभाग द्वारा बताई जा रही है। परन्तु, वास्तविकता यह है कि कटौति की घोषित घंटों में तो बिजली की आपूर्ति का सवाल ही नहीं है। आपूर्ति की घोषित घंटों में भी बिजली की आपूर्ति बाधित ही रहती है। परिणामस्वरूप, आम आदमी का जीवन दूभर हो गया है। किसानों के खेत सूख रहे हैं तथा उद्योग-धंधे बंद हो रहे हैं। दिनांक 17.07.2014 को, यानी कल ही, तारंकित प्रश्न 143 के जवाब में भारत सरकार के ऊर्जा मंत्री जी ने पिछले तीन वर्षों के आंकड़े दिए थे, उसके अनुसार उत्तर प्रदेश में पीक-आवर्स में अप्रैल-2011 से मार्च-2012 तक विद्युत आपूर्ति में 11.3 प्रतिशत की कमी थी। वर्ष 2011-12 में यह 2.3 प्रतिशत रही। वर्ष 2012-13 में यह 13.6 प्रतिशत रही। वर्ष 2013-14 में यह 5.8 प्रतिशत रही। परन्तु, अप्रैल-2014 से जून-2014, तीन माह की अवधि में यह 24.6 प्रतिशत हो गई।

अध्यक्ष जी, इन तीन महीनों में लोक सभा चुनाव के परिणाम आने के बाद के महीने भी शामिल हैं। इन आंकड़ों से एक ही निष्कर्ष निकलता है कि उत्तर प्रदेश की सत्ताधारी समाजवादी पार्टी की सरकार लोक सभा में मिली पराजय को पचा नहीं पा रही है तथा जनता से इसका बदला ले रही है। विद्युत की अनियमित तथा अपर्याप्त आपूर्ति का जो उल्लेख मैंने प्रारंभ में किया है, उसका यही कारण है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि वह इसमें हस्तक्षेप करके विद्युत आपूर्ति को सुनिश्चित कराए। यदि प्रदेश सरकार सैंट्रल पूल से बिजली खरीदने में अरूचि एवं असमर्थता दिखाती है तो केन्द्र सरकार द्वारा प्रदेश को दी जाने वाली आर्थिक सहायता में से विद्युत के मूल्य को समायोजित करते हुए विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।